Report on National Seminar

A two day national seminar on "Society, Gender and Disabilty: Theory and Practice" under the sponsorship of U. P. State Concil of Higher Education Government of Uttar Pradesh was held on 19th & 20th March 2024. It was organized by the Department of English, Kamla Nehru Institute of Physical and Social Sciences, Sultanpur. The Oraganizing Secretary of the seminar Dr. Raj Kumar Mishra, Asst. Professor of English arranged everything meticulously. In the seminar, Prof. Krishna Gopal Srivastava, former Vice-Chancellor, University of Allahabad, Prayagraj was the chief guest and Prof. Nalini Shyam Kamil, Department of English Mahatma Gandhi Kashi Vidyapeeth, Varanasi, was the keynote speaker of the programme on the first day. Dr. Abhisek Tiwari from Shri Lal Bahadur Shashtri National Sanskrit University, New Delhi was the special guest speaker. In this national seminar, participants from New Delhi, Tamilnadu, Maharashtra, Madhya Pradesh, Chhattishgarh, Uttar Pradesh, West Bengal & Orissa joined the said programme. They all were refreshed intellectually. New vistas came to the fore. All participants exchanged their views and presented their scholarly papers.

Outcomes:

The programme was very illuminating, enriching and refreshing to all the participants. In the seminar, ninety two delegates presented their scholarly papers. Out of these papers, a few slected articles will be published in a book with ISBN from some reputed publication house.

Proof of National Seminar

E-Paper 18 M...
swadeshnews.in

केएनआई में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 19 से

सुल्तानपुर। कमला नेहरू संस्थान के अंग्रेजी एवं उच्च शिक्षा विभाग उप्र के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी होने जा रहा है। संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ राज कुमार मिश्र ने बताया कि यह संगोष्ठी दिनांक 19 व 20 मार्च को 'सोसाइटी, जेण्डर एवं डिसएबिलिटी: थ्योरी एंड प्रैक्टिस ' विषय पर होने वाली है। इस अवसर पर अंग्रेजी विषय से संबद्ध देश के प्रतिष्ठित बुद्धिजीवियों एवं साहित्यकारों की उपस्थिति में संगोष्ठी के केन्द्रीय विषय से जुड़े मुद्दों पर वैचारिक चिंतन होगा। डॉ. मिश्रा ने बताया कि प्रो. केजी श्रीवास्तव, पूर्व कुलपति इलाहाबाद विवि, प्रयागराज मुख्य अतिथि तथा प्रो. नलिनी श्याम कामिल, अंग्रेजी विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी बतौर विशिष्ट वक्ता के रूप में संगोष्ठी में शामिल होंगे।

सूक्ति: समय का उत्तम उपयोग करना सीखें क्योंकि विश्व के ज्यादातर सफल मनुष्यों ने इसी का प्रयोग किया है।

सुलतानपुर तक

email: sultanpurtak1@gmail.com RNI.NO.UPHIN/2021/83482 www.www.sultanpurtak.in

कमला नेहरू संस्थान के अंग्रेजी विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

उप संपादक संतोष पाण्डेय

सुल्तानपुर। कमला नेहरू संस्थान के अंग्रेजी विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिन मंगलवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ हुआ। [illegible]

सूक्ति: समय का उत्तम उपयोग करना सीखें क्योंकि विश्व के ज्यादातर सफल मनुष्यों ने इसी का प्रयोग किया है।

सुलतानपुर तक

email: sultanpurtak1@gmail.com RNI.NO.UPHIN/2021/83482 www.www.sultanpurtak.in

कमला नेहरू संस्थान के अंग्रेजी विभाग द्वारा 19 मार्च से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

संपादक संतोष पाण्डेय

सुल्तानपुर। कमला नेहरू संस्थान के अंग्रेजी एवं उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी होने जा रहा है। संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ राज कुमार मिश्र ने बताया कि यह संगोष्ठी दिनांक 19 व 20 मार्च को 'सोसाइटी, जेन्डर एवं डिसएबैलिटी : थियरी एण्ड प्रैक्टिस ' विषय पर होने वाली है इस अवसर पर अंग्रेजी विषय से संबद्ध देश के प्रतिष्ठित बुद्धिजीवियों एवं साहित्यकारों की उपस्थिति में संगोष्ठी के केन्द्रीय विषय से जुड़े मुद्दों पर एक स्वतंत्र वैचारिक चिन्तन होगा। डा. मिश्रा ने बताया कि प्रो.के.जी.श्रीवास्तव, पूर्व कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज मुख्य अतिथि तथा प्रो.नलिनी श्याम कामिल, अंग्रेजी विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी बतौर विशिष्ट वक्ता के रूप में संगोष्ठी में शामिल होंगे।

न्यू गीतांजलि टाइम्स
Monday 18th March 2024 | वर्ष - १ | अंक १० | पृष्ठ नं१
www.ngtimes.in

कमला नेहरू संस्थान के अंग्रेजी विभाग द्वारा 19 मार्च से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

सुल्तानपुर। कमला नेहरू संस्थान के अंग्रेजी एवं उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी होने जा रहा है। संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ राज कुमार मिश्र नें बताया कि यह संगोष्ठी दिनांक 19 व 20 मार्च को सोसाइटी जेन्डर एवं डिसएबैलिटी : थियरी एण्ड प्रैक्टिस विषय पर होने वाली है। इस अवसर पर अंग्रेजी विषय से संबद्ध देश के प्रतिष्ठित बुद्धिजीवियों एवं साहित्यकारों की उपस्थिति में संगोष्ठी के केन्द्रीय विषय से जुड़े मुद्दों पर एक स्वतंत्र वैचारिक चिन्तन होगा। डा. मिश्रा ने बताया कि प्रो.के.जी.श्रीवास्तव पूर्व कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज मुख्य अतिथि तथा प्रो.नलिनी श्याम कामिल अंग्रेजी विभाग महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी बतौर विशिष्ट वक्ता के रूप में संगोष्ठी में शामिल होंगे।

न्यू गीतांजलि टाइम्स
Thursday 21st March 2024 | वर्ष - १ | अंक १० | पृष्ठ नं१
www.ngtimes.in

अंग्रेजी विभाग में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन

न्यू गीतांजलि टाइम्स सुल्तानपुर। सुल्तानपुर के अंग्रेजी विभाग द्वारा दिन बुधवार को सोसाइटी जेन्डर एवं डिसएबैलिटी थियरी एण्ड प्रैक्टिस विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हो गया। दूसरे दिन संगोष्ठी का शुभारम्भ करते हुए प्राचार्य प्रो.आलोक कुमार सिंह ने कहा कि यह संगोष्ठी निःसन्देह राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनेगी। अध्यक्ष अंग्रेजी विभाग प्रो.वी.पी.सिंह ने कहा कि विमर्श सामाजिक बेहतरी का रास्ता विकसित करती है। प्रो.सुनीता राय ने अपने वक्तव्य में कहा कि साहित्य न केवल मूल्यों का सृजन करता है अपितु मूल्यों को ढहने से भी बचाता है। यह संगोष्ठी अपनी दोनों भूमिका में है। आज डा.मुकेश कुमार मौर्या, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने कहा कि साहित्य सामाजिक परिवर्तन का रास्ता विकसित करती है। डा.संतोष कुमार एवं डा.मो.सलमान बीएनकेबी पी.जी.कालेज अम्बेडकरनगर आदि सहित कई शोधार्थियों नें समकालीन विषय शोध पत्र प्रस्तुत किया। अंत में डा.राजकुमार मिश्रा संगोष्ठी के आयोजन सचिव नें दिनांक 19 एवं 20 मार्च को प्रस्तुत शोधपत्रों की समीक्षा प्रस्तुत करने के साथ-साथ सभी लोगों हेतु आभार ज्ञापन किया। इस अवसर प्रो.वी.पी.सिंह प्रो.राधेश्याम सिंह, प्रो.सुनीता राय प्रो.प्रवीण कुमार सिंह प्रो.अनुराग पाण्डेय डा.मुकेश कुमार मौर्या डा.अमित वर्मा डा.विजय कुमार पाण्डेय डा.संतोष कुमार डा.रत्नेश बरनवाल सदस्य आयोजन समिति डा.पवन कुमार रावत डा.कुलदीपक पाण्डेय तथा शोध छात्र शिवम ज्योति, सुनील अक्षय आदि बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

गर/हरदोई/मथुरा/हापुड़/प्रयागराज/रायबरेली /बहराइच

कमला नेहरू संस्थान के अंग्रेजी विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

सुल्तानपुर । कमला नेहरू संस्थान के अंग्रेजी विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ हुआ। सोसाइटी जेन्डर एवं डिसएबैलिटी रू थियरी एण्ड प्रैक्टिस विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी का शुभारम्भ संस्थान प्राचार्य प्रो.आलोक कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संगोष्ठी बौद्धिक और वैचारिक होने का एक सार्थक उपक्रम है। सुखद है कि इस दिशा में संस्थान के विभिन्न विभागों के साथ साथ अंग्रेजी विभाग क्रियाशील है। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो.वी.पी.सिंह ने इस अवसर पर कहा कि सामाजिक विकास की अवधारणा को मजबूत करने हेतु स्त्री एवं दिव्यांग समाज के बहुआयामी सशक्तिकरण के बिना संभव नहीं होगा। संगोष्ठी के प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि, पूर्व कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज प्रो.के.जी .श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह समय अस्मितामूलक विमर्शों का समय है। यह समय अस्तित्व, अस्मिता और अधिकार के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करने का और विखण्डनात्मक सोच के प्रतिरोध का समय है। लैंगिक भेद और लैंगिक विकृति का रचनात्मक प्रतिरोध करता है स्त्री और दिव्यांग विमर्श। प्रो.नलिनी श्याम कामिल, विशिष्ट अतिथि, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, बनारस ने अपने सम्बोधन में कहा कि साहित्य सामयिक परिस्थितियों की देन है। वह अपने समय की सामाजिक समस्याओं का उत्खनन करता है। संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में कई विद्वानों व शोधकर्ताओं ने विषय आधारित शोध पत्र प्रस्तुत किए। इस सत्र नें डा.अभिषेक तिवारी, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने कहा कि भारतीय गणतंत्र, भारतीय नागरिकों की स्वस्थ्य स्थिति से ही मजबूत होगा। इस दिशा में अंग्रेजी साहित्य की महती भूमिका है। डा.विनोद कुमार पाण्डेय, नागरिक पी.जी.कालेज जंघई, उ.प्र. ने अपने सम्बोधन में कहा कि सशक्त और आत्मनिर्भर भारत की यह यात्रा स्त्री और दिव्यांग समाज के बगैर अधूरी है। संगोष्ठी में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान तथा दिल्ली से अनेकों प्रतिभागियों ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित करके संगोष्ठी को सार्थकता प्रदान किया। इस सत्र के अंत में आभार ज्ञापन संगोष्ठी के आयोजन सचिव डा.राजकुमार मिश्रा ने किया। इन्होंने बताया कि आगामी सत्र व संगोष्ठी का समापन समीक्षा सत्र के साथ होगा।

बौद्धिक बनने का रास्ता गोष्ठी से खुलता है :प्रो.

सुल्तानपुर।कमला नेहरू संस्थान अंग्रेजी विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ किया गया।

सोसाइटी जेंडर एवं डिसएबैलिटी थियरी एण्ड प्रैक्टिस विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी का शुभारम्भ प्राचार्य प्रो.आलोक कुमार सिंह ने किया। कहा कि संगोष्ठी बौद्धिक और वैचारिक होने का एक सार्थक उपक्रम है। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो.वीपी सिंह ने कहा कि सामाजिक विकास की अवधारणा को मजबूत करने हेतु स्त्री एवं दिव्यांग समाज के बहुआयामी सशक्तिकरण के बिना संभव नहीं होगा। संगोष्ठी के प्रथम सत्र में पूर्व कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज प्रो.केजी श्रीवास्तव ने कहा कि यह समय अस्मितामूलक विमर्शों का समय है। प्रो.नलिनी श्याम कामिल महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, बनारस ने कहा कि साहित्य सामयिक परिस्थितियों की देन है।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी कल से

सुलतानपुर (एसएनबी)। कमला नेहरू संस्थान के अंग्रेजी एवं उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी होने जा रहा है। आयोजन सचिव डा.राज कुमार मिश्र ने बताया कि, यह संगोष्ठी दिनांक 19 व 20 मार्च को सोसाइटी, जेंडर एवं डिसएबैलिटी, थियरी एंड प्रैक्टिस विषय पर होगी। अंग्रेजी विषय से संबद्ध देश के प्रतिष्ठित बुद्धिजीवियों एवं साहित्यकारों की उपस्थिति में केंद्रीय विषय से जुड़े मुद्दों पर एक स्वतंत्र वैचारिक चिंतन होगा। बताया कि प्रो.केजी श्रीवास्तव पूर्व कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज मुख्य अतिथि तथा प्रो.नलिनी श्याम कामिल अंग्रेजी विभाग महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी बतौर विशिष्ट वक्ता शामिल होंगे।

कमला नेहरू संस्थान के अंग्रेजी विभाग द्वारा 19 मार्च से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

दैनिक न्यूज वर्ल्ड राजदेव यादव

सुल्तानपुर। कमला नेहरू संस्थान के अंग्रेजी एवं उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी होने जा रहा है। संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ राज कुमार मिश्र नें बताया कि यह संगोष्ठी दिनांक 19 व 20 मार्च को सोसाइटी, जेन्डर एवं डिसएबैलिटी रू थियरी एण्ड प्रैक्टिस श विषय पर होने वाली है।इस अवसर पर अंग्रेजी विषय से संबद्ध देश के प्रतिष्ठित बुद्धिजीवियों एवं साहित्यकारों की उपस्थिति में संगोष्ठी के केन्द्रीय विषय से जुड़े मुद्दों पर एक स्वतंत्र वैचारिक चिन्तन होगा,डा. मिश्रा ने बताया कि प्रो.के.जी.श्रीवास्तव, पूर्व कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज मुख्य अतिथि तथा प्रो.नलिनी श्याम कामिल, अंग्रेजी विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी बतौर विशिष्ट वक्ता के रूप में संगोष्ठी में शामिल होंगे।

'अधिकार के लिए लोकतांत्रिक ढंग से संघर्ष का समय'

संसू, सुलतानपुर : कमला नेहरू संस्थान के अंग्रेजी विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सोसाइटी जेंडर एवं डिसेबिलिटी : थियरी एंड प्रैक्टिस विषयक दो दिवसीय संगोष्ठी का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. आलोक कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। इसमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान तथा दिल्ली से कई बुद्धिजीवी प्रतिभाग कर रहे हैं। मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति इलाहाबाद विवि प्रयागराज प्रो. केजी श्रीवास्तव ने कहा कि यह समय अस्तित्व, अस्मिता और अधिकार के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करने का और विखंडनात्मक सोच के प्रतिरोध का समय है। विभागाध्यक्ष प्रो. वीपी सिंह, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ बनारस के प्रो. नलिनी श्याम कामिल, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के डा. अभिषेक तिवारी, नागरिक पीजी कालेज जंघई से आए डा. विनोद कुमार पांडेय ने भी संगोष्ठी को संबोधित किया। प्रो. राधेश्याम सिंह, प्रो. सुनीता राय, प्रो. प्रवीण कुमार सिंह, प्रो. अनुराग पांडेय, डा. राजकुमार मिश्र, डा. पवन कुमार रावत, डा कुल दीपक पांडेय तथा शोध छात्र शिवम, ज्योति, प्रियंका, मनोज, सुनील, अक्षय उपस्थित रहे।

न्यू गीतांजलि टाइम्स

नज़रिया दृष्टिकोण का

Wednesday 20th March 2024 | वर्ष - १ | अंक १० | पृष्ठ ०१   www.ngtnews.in

कमला नेहरू संस्थान के अंग्रेजी विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

न्यू गीतांजलि टाइम्स सुल्तानपुर। कमला नेहरू संस्थान के अंग्रेजी विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिन मंगलवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ हुआ। सोसाइटी जेन्डर एवं डिसएबैलिटी थियरी एण्ड प्रैक्टिस विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी का शुभारम्भ संस्थान प्राचार्य प्रो.आलोक कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संगोष्ठी बौद्धिक और वैचारिक होने का एक सार्थक उपक्रम है। सुखद है कि इस दिशा में संस्थान के विभिन्न विभागों के

साथ साथ अंग्रेजी विभाग प्रो.नलिनी श्याम कामिल पात्रा स्त्री और दिव्यांग समाज क्रियाशील है। अंग्रेजी विभाग विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी के बगैर अधूरी है। संगोष्ठी में के अध्यक्ष प्रो. वी. पी. सिंह ने काशी विद्यापीठ बनारस ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश इस अवसर पर कहा कि अपने सम्बोधन में कहा कि राजस्थान तथा दिल्ली से सामाजिक विकास की साहित्य सामयिक परिस्थितियों अनेकों प्रतिभागियों ने अपनी अवधारणा को मजबूत करने की देन है। यह अपने समय की सहभागिता सुनिश्चित करके हेतु स्त्री एवं दिव्यांग समाज के सामाजिक समस्याओं का संगोष्ठी को सार्थकता प्रदान बहुआयामी सशक्तिकरण के उत्खनन करता है। संगोष्ठी के किया। आज इस सत्र के अंत बिना संभव नहीं होगा। संगोष्ठी द्वितीय सत्र में कई विद्वानों व में आभार ज्ञापन संगोष्ठी के के प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि शोधकर्ताओं ने विषय आयोजन सचिव डा.राजकुमार पूर्व कुलपति इलाहाबाद आधारित शोध पत्र प्रस्तुत मिश्रा ने किया। इन्होंने बताया विश्वविद्यालय प्रयागराज प्रो. किए। इस सत्र ने डा.अभिषेक कि आगामी सत्र व संगोष्ठी का के. जी. श्रीवास्तव ने अपने तिवारी श्री लाल बहादुर शास्त्री समापन समीक्षा सत्र के साथ वक्तव्य में कहा कि यह समय राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय होगा। इस अवसर अस्मितामूलक विमर्शों का नई दिल्ली ने कहा कि भारतीय प्रो.वी.पी.सिंह प्रो.राधेश्याम समय है। यह समय अस्तित्व, गणतंत्र भारतीय नागरिकों की सिंह प्रो.सुनीता राय प्रो.प्रवीण अस्मिता और अधिकार के स्वस्थ्य स्थिति से ही मजबूत कुमार सिंह प्रो.अनुराग पाण्डेय लिए लोकतांत्रिक तरीके से होगा। इस दिशा में अंग्रेजी आयोजन सचिव डा.राजकुमार संघर्ष करने का और साहित्य की महती भूमिका है। मिश्रा तथा सदस्य आयोजन विखण्डनात्मक सोच के डा.विनोद कुमार पाण्डेय समिति डा.पवन कुमार रावत प्रतिरोध का समय है। लैंगिक नागरिक पी.जी.कालेज जंघई डा.कुलदीपक पाण्डेय तथा भेद और लैंगिक विकृति का उ.प्र. ने अपने सम्बोधन में शोध छात्र शिवम ज्योति रचनात्मक प्रतिरोध करता है कहा कि सशक्त और प्रियंका मनोज सुनील अक्षय स्त्री और दिव्यांग विमर्श। आत्मनिर्भर भारत की यह आदि छात्र उपस्थित रहे।

कमला नेहरू संस्थान के अंग्रेजी विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

अंग्रेजी विभाग में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन

NATIONAL SEMINAR
On
Society, Gender and Disability:
Theory and Practice
MARCH 19 & 20, 2024

NATIONAL SEMINAR
On
Society, Gender and Disability:
Theory and Practice
MARCH 19 & 20, 2024

NATIONAL SEMINAR
On
Society, Gender and Disability:
Theory and Practice
MARCH 19 & 20, 2024

NATIONAL SEMINAR

NATIONAL SEMINAR

NATIONAL SEMINAR
On
Society, Gender and Disability:
Theory and Practice
MARCH 19 & 20, 2024
vivo V27 Pro

NATIONAL SEMINAR
On
GPS Map Camera